1 तेरी है जमीं

प्रस्तुत कविता एक प्रार्थना गीत है। जिसमें ईश्वर के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त हुआ है। साथ ही ईश्वर की सर्वोपरिता को स्वीकार किया गया है।

तेरी है जमीं, तेरा आसमान,
तू बड़ा मेहरबाँ, तू बख्शीश कर।
सभी का है तू, सभी तेरे,
खुदा मेरे, तू बख्शीश कर।
तेरी मर्जी से ए मालिक,
हम इस दुनिया में आए हैं।
तेरी रहमत से हम सबने,
ये जिस्म-ओ-जाँ पाए हैं।
तू अपनी नजर हम पर रखना
किस हाल में हैं, ये खबर रखना,...
तेरी है जमीं
तू चाहे तो हमें रखे, तू चाहे तो हमें मारे,
तेरे आगे झुका के सर, खड़े हैं आज हम सारे
ओ सबसे बड़ी ताकतवाले,
तू चाहे तो हर आफत टाले
तेरी है जमीं

शब्दार्थ

बख्शीश भेंट, उपहार, क्षमा करना **मालिक** स्वामी, ईश्वर **रहमत** कृपा **आफत** मुश्किल, संकट **मेहरबाँ** कृपालु, दयालु **जिस्म** शरीर, **जाँ** प्राण

अभ्यास

1. यह प्रार्थना छात्रों को टेपरिकार्डर या मोबाईल के जरिए सुनाइए और इसका समूहगान करवाइए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) आपके मत से सृष्टि में सर्वोपरि कौन है ? क्यों ?

(2) आप भगवान से क्या प्रार्थना करते हैं ?

(3) आप ईश्वर से प्रार्थना किस समय करते हैं ? क्यों ?

(4) भिन्न-भिन्न धर्म के लोग प्रार्थना करने के लिए कहाँ-कहाँ जाते हैं ?

3. निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश-क्रम के अनुसार लिखिए :

हृदय, मनुष्य, सुख, शांति, मित्र डॉक्टर, दृष्टि, योद्धा, शृंखला, नाविक, और, धन, क्षमता, उज्ज्वल, मंदिर, दूध, स्वर, धरा

4. इस चित्र की मदद से एक कविता की रचना कीजिए :

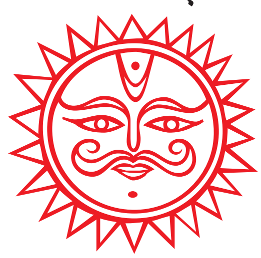

5. वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए :

(1) मैंने कविता लिखी।

(2) यह मेरी किताब है।

(3) इसे लड्डू दे दो।

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) कवि ईश्वर से क्या चाहते हैं ?

(2) 'तू अपनी नज़र हम पर रखना' ऐसा कवि क्यों कहते हैं ?

(3) कवि किसे सबसे ताकतवाला मानते हैं ? क्यों ?

(4) कवि खुद से क्या कहना चाहते हैं ?

2. **दिए गए भाव के आधार पर काव्य पंक्तियाँ लिखिए :**

(1) हे ईश्वर ! तेरी कृपा से मुझे शरीर और प्राण मिले हैं। चाहे जो भी हो, तुम अपनी कृपा दृष्टि हम पर सदा रखना।

(2) हे प्रभु ! ये सारा संसार तेरा है, तू बड़ा दयालु है। तू हम पर अपनी दया दृष्टि रखना।

3. **अपूर्ण काव्य पूर्ण कीजिए :**

मेरी प्यारी-प्यारी गाय
घर की राज दुलारी गाय
____
____

4. यह गीत हिन्दी फिल्म 'द बर्निंग ट्रेन' से लिया गया है। तुमने इस प्रकार की और भी प्रार्थनाएँ सुनी होंगी । ऐसी ही कोई और प्रार्थना लिखो जो कि किसी फिल्म में हो।

5. इस प्रार्थना को अपनी मातृभाषा में लिखिए।

भाषा-सज्जता

- **वचन परिवर्तन**
- **निम्नलिखित शब्दों को पढ़िए और समझिए :**

ताला–ताले	कमरा–कमरे
लड़का–लड़के	छाता–छाते
घोड़ा–घोड़े	तोता–तोते
बेटा–बेटे	रुपया–रुपए

उपर्युक्त शब्दों को पढ़ने से पता चलता है कि आकारांत पुल्लिंग शब्दों का बहुवचन बनाने के लिए शब्दों के अंतिम 'आ' को 'ए' कर दिया जाता है।

रात–रातें	दीवार–दीवारें
बहन–बहनें	आँख–आँखें
किताब–किताबें	सड़क–सड़कें
भैंस–भैंसें	बात–बातें

इन शब्दों को पढ़ने से पता चलता है कि अकारांत स्त्रीलिंग शब्दों का बहुवचन करने के लिए शब्दों के अंत में 'एँ' जोड़ दिया जाता है।

लता–लताएँ	सेवा–सेवाएँ
कन्या–कन्याएँ	बालिका–बालिकाएँ
बाला–बालाएँ	भाषा–भाषाएँ
महिला–महिलाएँ	पाठशाला–पाठशालाएँ

यहाँ हम देख सकते हैं कि आकारांत स्त्रीलिंग शब्दों का बहुवचन बनाने के लिए भी शब्दों के अंत में 'एँ' जोड़ दिया जाता है।

तिथि–तिथियाँ	जाति–जातियाँ
विधि–विधियाँ	पंक्ति–पंक्तियाँ
लिपि–लिपियाँ	नीति–नीतियाँ

यहाँ हम देख सकते हैं कि 'इकारांत' स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'याँ' जोड़कर बहुवचन बनाया जाता है।

सखी–सखियाँ	चींटी–चींटियाँ
खिड़की–खिड़कियाँ	डाली–डालियाँ
मछली–मछलियाँ	कली–कलियाँ

'ईकारान्त' स्त्रीलिंग शब्द का बहुवचन करने के लिए शब्द के अंत के 'ई' को 'इ' करके 'याँ' जोड़ दिया जाता है।

पुड़िया–पुड़ियाँ	चिड़िया–चिड़ियाँ
चुहिया–चुहियाँ	डिबिया–डिबियाँ
बुढ़िया–बुढ़ियाँ	गुड़िया–गुड़ियाँ

'इया' अंत वाले स्त्रीलिंग शब्द का बहुवचन करने के लिए शब्द के अंतिम 'या' को 'याँ' कर दिया जाता है।

→ **उकारांत शब्द –**

वस्तु–वस्तुएँ   धेनु–धेनुएँ   ऋतु–ऋतुएँ

उकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'एँ' जोड़ने से बहुवचन बनता है।

→ **ऊकारांत शब्द –**

वधू–वधुएँ   जू–जुएँ

'ऊकारांत' स्त्रीलिंग शब्दों में 'ऊ' का 'उ' करके 'एँ' लगाने से बहुवचन बनता है।

→ **औकारांत शब्द –**

गौ–गौएँ

'औकारांत' स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'एँ' लगाकर के बहुवचन बनाया जाता है।

प्रजा–प्रजाजन	गुरु–गुरुजन	छात्र–छात्रगण
पाठक–पाठकगण	श्रोता – श्रोतागण	कवि–कविगण
लेखक–लेखकवृंद	अध्यापक–अध्यापकवृंद	
मजदूर–मजदूरवर्ग	शिक्षक–शिक्षकवर्ग	

एक वर्ग, दल या समूह का बोध कराने के लिए कुछ एकवचन शब्दों के अंत में गण, वर्ग, वृंद, जन जैसे शब्द जोड़ दिए जाते हैं।

❤ **उपर्युक्त नियमों के आधार पर निम्नलिखित शब्दों का वचन परिवर्तन कीजिए।**

(1) नदी = ______		(5) कौआ = ______
(2) किताब = ______		(6) धातुएँ = ______
(3) दरवाजे = ______		(7) सड़कें = ______
(4) कला = ______		(8) कुत्ता = ______

❤ **उपसर्ग**

☞ **पढ़िए और समझिए :**

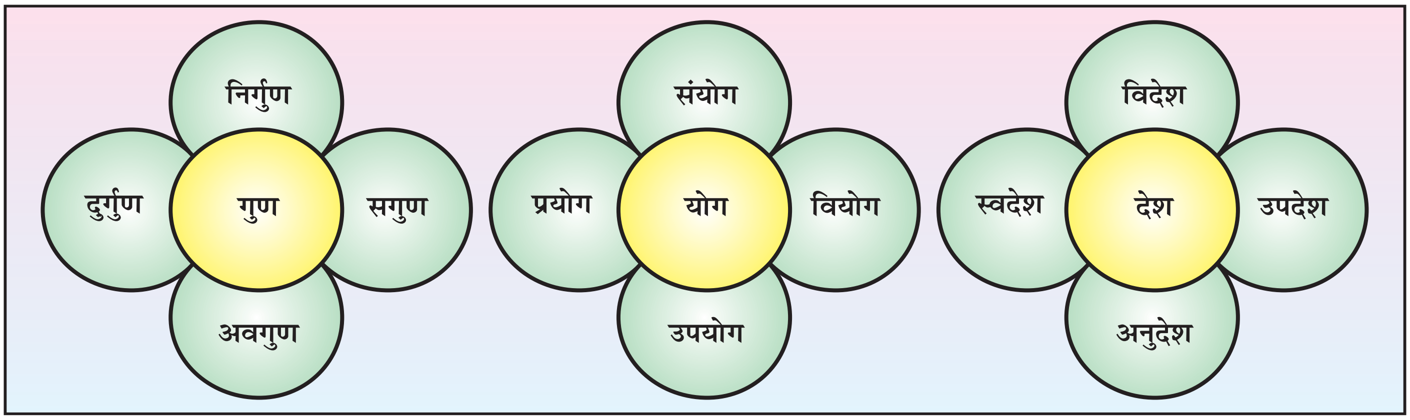

निर्देशित उदाहरणों में 'गुण', 'योग' और 'देश' शब्दों से,पहले कुछ शब्दांश जोड़कर नए शब्द बनाए हैं। आइए देखें –

	शब्दांश	नया शब्द	शब्दांश	नया शब्द
(क)	दुर्	+ गुण = दुर्गुण,	निर्	+ गुण = निर्गुण,
	स	+ गुण = सगुण,	अव	+ गुण = अवगुण
(ख)	प्र	+ योग = प्रयोग,	सम्	+ योग = संयोग
	वि	+ योग = वियोग,	उप	+ योग = उपयोग
(ग)	स्व	+ देश = स्वदेश,	वि	+ देश = विदेश
	उप	+ देश = उपदेश	अनु	+ देश = अनुदेश

'दुर्', 'निर्', 'स', 'अव', 'प्र', 'सम्', 'वि', 'उप', 'स्व' तथा 'अनु' ऐसे शब्दांश हैं, जिनका प्रयोग स्वतंत्र रूप से नहीं किया जा सकता इन्हें केवल शब्दों के प्रारंभ में ही जोड़ा जा सकता है।

शब्द के प्रारंभ में जुड़ने से ये उनके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं तथा नए शब्दों का निर्माण करते हैं।

'उपसर्ग' वे शब्दांश हैं जो सार्थक शब्दों से पूर्व जुड़ने पर अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं।

☞ निम्नलिखित उपसर्गों को पढ़कर समझिए :

उपसर्ग	अर्थ	उदाहरण
अ	कभी नहीं, निषेध	अज्ञान, अगम, अमर, अछूत, अचूक
अन	नहीं, अभाव, निषेध	अनपढ़, अनहोनी, अनजान, अनमोल
क	बुरा/बुरी	कपूत
कु	बुरा/बुरी	कुपुत्र, कुसंग, कुकर्म, कुसमय
नि	अभाव, नहीं	निकम्मा, निडर, निठल्ला, निहत्था
पर	पराया, दूसरा, दूसरी पीढ़ी का	परदेश, परलोक, परदादा, परपोता
स	सहित, अच्छा	सपूत, सपरिवार, सुविचार, सकाम
अध	आधा	अधपका, अधमरा, अधजला, अधखिला
दु	बुरा, दोगुना	दुखद, दुबला, दुःस्वप्न, दुगुना
बिन	बिना, निषेध	बिनबात, बिनब्याहा, बिनमाँगे, बिनकहे
भर	पूरा, ठीक	भरपेट, भरमार, भरपूर, भरचक
चौ	चार	चौराहा, चौमासा, चौकोर, चौपाई

● निम्नलिखित उपसर्गों के योग से तीन-तीन शब्द बनाइए :

(1) चौ (2) बिन (3) पर (4) अन (5) अध

☞ पढ़िए और समझिए :

लड़ + आई = लड़ाई
लड़ + आका = लड़ाका

चाचा + ई = चाची
चाचा + एरा = चचेरा

दया + आलु = दयालु
दया + वान = दयावान

उपर्युक्त उदाहरणों में 'लड़', 'चाचा' और 'दया' शब्दों में क्रमश: 'आई', 'ई', तथा 'आलु' शब्दांशों का प्रयोग करके नए शब्द बनाए गए हैं–

लड़ + आई = लड़ाई; चाचा + ई = चाची; दया + आलु = दयालु

लड़ + आका = लड़ाका; चाचा + एरा = चचेरा; दया + वान = दयावान

'लड़', 'चाचा' तथा 'दया' शब्दों के अंत में जोड़े गए 'आई', 'ई', 'आलु' शब्दांश, प्रत्यय हैं।

ऐसे शब्दांश जो शब्दों के अंत में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।

शब्द	प्रत्यय	प्रत्यय के योग से बना नया शब्द
चल	ता	चलता
खा	या	खाया
सुन	कर	सुनकर
पढ़	आई	पढ़ाई
खेल	औना	खिलौना
गाड़ी	वाला	गाड़ीवाला
भूख	आ	भूखा
लड़का	पन	लड़कपन
इन्सान	इयत	इन्सानियत
खाट	इया	खटिया
बल	शाली	बलशाली
झगड़ा	आलू	झगड़ालू
बाबू	आइन	बबुआइन
शेर	नी	शेरनी
भीख	आरी	भिखारी

अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय ढूँढ़िए :

मनुष्यता, धनवान, रसोइया, टोकरी, इकहरा, धोखेबाज, बलवती, भाग्यवान

योग्यता-विस्तार

☞ छात्र के लिए :

भिन्न-भिन्न प्रार्थनाओं का संकलन कीजिए।